License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

1 थिस्सलुनीकियों 1:3

थिस्सलुनीकियों के विषय में पौलुस परमेश्वर के सामने हमेशा क्या स्मरण करता है?

पौलुस उनके विश्वास के काम, प्रेम के परिश्रम और आशा की धीरता को स्मरण करता है।

1 थिस्सलुनीकियों 1:5

थिस्सलुनीकियों तक सुसमाचार किन चार तरीकों से पहुँचा?

सुसमाचार थिस्सलुनीकियों के पास वचन, सामर्थ्य, पवित्र आत्मा और बड़े निश्चय के साथ पहुँचा।

1 थिस्सलुनीकियों 1:6

जब थिस्सलुनीकियों को सुसमाचार का वचन मिला तो उनके साथ क्या हो रहा था?

थिस्सलुनीकियों ने बड़े क्लेश में वचन को ग्रहण किया।

1 थिस्सलुनीकियों 1:6 (#2)

सुसमाचार के वचन को प्राप्त करते समय थिस्सलुनीकियों की अभिवृत्ति क्या थी?

थिस्सलुनीकियों ने पवित्र आत्मा के आनन्द के साथ वचन को ग्रहण किया।

1 थिस्सलुनीकियों 1:8

प्रभु का वचन थिस्सलुनीकियों के ग्रहण करने के बाद क्या हुआ?

प्रभु के वचन की चर्चा हर जगह फैल गई जहाँ तक उनका विश्वास फैल गया।

1 थिस्सलुनीकियों 1:9

सच्चे परमेश्वर पर विश्वास करने से पहले थिस्सलुनीके के लोग किसकी आराधना करते थे?

सच्चे परमेश्वर पर विश्वास करने से पहले थिस्सलुनीके के लोग मूरतों की आराधना करते थे।

1 थिस्सलुनीकियों 1:10

पौलुस और थिस्सलुनीकियों को किस बात की प्रतीक्षा थी?

पौलुस और थिस्सलुनीकियों के लोग यीशु के स्वर्ग से आने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

1 थिस्सलुनीकियों 1:10 (#2)

यीशु हमें किससे बचाते हैं?

यीशु हमें आनेवाले प्रकोप से बचाते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 2:2

थिस्सलुनीकियों के पास आने से पहले पौलुस और उसके साथियों के साथ कैसा व्यवहार किया गया था?

पौलुस और उसके साथियों को दुःख उठाना पड़ा था और उनके साथ शर्मनाक व्यवहार किया गया था।

1 थिस्सलुनीकियों 2:4

पौलुस अपने सुसमाचार प्रचार से किसे प्रसन्न करना चाहता है?

पौलुस अपने सुसमाचार प्रचार से परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहता है।

1 थिस्सलुनीकियों 2:5–6

सुसमाचार प्रचार में पौलुस ने क्या नहीं किया?

पौलुस ने न तो चापलूसी की बातें करी, और न ही मनुष्यों से आदर प्राप्त करने की कोशिश की।

1 थिस्सलुनीकियों 2:7–8

जब पौलुस थिस्सलुनीकियों के बीच में था, तो उसने उनके साथ कैसा व्यवहार किया?

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों के साथ उसी तरह की कोमलता दिखाई जैसे एक माता या पिता अपने बालकों के साथ करते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 2:9

पौलुस और उसके साथियों ने क्या किया ताकि वे थिस्सलुनीकियों पर भार न बनें?

पौलुस और उसके साथी रात-दिन धन्धा करते रहे ताकि वे थिस्सलुनीकियों पर भार न बनें।

1 थिस्सलुनीकियों 2:11

जब पौलुस थिस्सलुनीकियों के बीच था, तो उसने उनके साथ कैसा बर्ताव किया?

पौलुस थिस्सलुनीकियों के साथ उसी तरह कोमल था जैसे एक माता या पिता अपने बालकों के साथ बर्ताव करता है।

1 थिस्सलुनीकियों 2:12

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों को कैसे बताया कि उन्हें किस मार्ग पर चलना चाहिए?

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों से कहा कि उनका चाल-चलन परमेश्वर के योग्य होना चाहिए जो उन्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 2:13

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों को जो संदेश सुनाया, उसे उन्होंने किस प्रकार ग्रहण किया?

थिस्सलुनीकियों ने उस संदेश को मनुष्यों का वचन नहीं, बल्कि परमेश्वर का वचन समझकर ग्रहण किया।

1 थिस्सलुनीकियों 2:14–16

अविश्वासी यहूदियों ने ऐसा क्या किया था जिससे परमेश्वर प्रसन्न नहीं हुए?

अविश्वासी यहूदियों ने यहूदिया की कलीसियाओं को सताया, यीशु और भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला, पौलुस को बाहर निकाल दिया, और पौलुस को अन्यजातियों में प्रचार करने से रोका था।

1 थिस्सलुनीकियों 2:17–18

पौलुस थिस्सलुनीकियों के पास क्यों नहीं आ सका, जबकि उसकी यही इच्छा थी?

पौलुस नहीं आ सका क्योंकि शैतान ने उसे रोक रखा था।

1 थिस्सलुनीकियों 2:19–20

प्रभु के आने के समय पर थिस्सलुनीकियों के लोग पौलुस के लिए क्या होंगे?

थिस्सलुनीकियों के लोग प्रभु के आने के समय पर पौलुस की आशा, आनन्द और बड़ाई का मुकुट होंगे।

1 थिस्सलुनीकियों 3:1–2

पौलुस ने क्या किया, यद्यपि उसे एथेंस में ही अकेले रह जाना पड़ेगा?

पौलुस ने थिस्सलुनीके के विश्वासियों को स्थिर करने और आश्वासन देने के लिए तीमुथियुस को भेजा।

1 थिस्सलुनीकियों 3:3

पौलुस ने क्या कहा कि उसे किस के लिये ठहराया गया था?

पौलुस ने कहा कि उसे क्लेशों के लिए ठहराया गया था।

1 थिस्सलुनीकियों 3:5

थिस्सलुनीकियों के विषय में पौलुस किस बात के लिये चिन्तित था?

पौलुस को चिन्ता थी कि किसी तरह परीक्षा करनेवाले ने उनकी परीक्षा की है और उसका परिश्रम व्यर्थ हो गया है।

1 थिस्सलुनीकियों 3:6–7

जब तीमुथियुस थिस्सलुनीके से लौटा, तो पौलुस को किस बात से शान्ति मिला?

पौलुस को थिस्सलुनीकियों के विश्वास और प्रेम का सुसमाचार सुनकर शान्ति मिला, और यह भी कि वे उसे देखने की लालसा रखते थे।

1 थिस्सलुनीकियों 3:8

पौलुस कहता है कि थिस्सलुनीके के लोगों को क्या करना होगा जिससे वह जीवित रहेगा?

पौलुस कहता है कि यदि थिस्सलुनीके के लोग प्रभु में स्थिर रहेंगे तभी वह जीवित रहेगा।

1 थिस्सलुनीकियों 3:10

पौलुस रात दिन किसके लिए प्रार्थना करता है?

पौलुस रात दिन प्रार्थना करता है कि वह थिस्सलुनीके के लोगों का मुँह देखने पाए और उनके विश्वास की घटी को पूरा कर सके।

1 थिस्सलुनीकियों 3:12

पौलुस क्या चाहता है कि थिस्सलुनीके के लोग बढ़ें और उन्नति करते जाएँ?

पौलुस चाहता है कि थिस्सलुनीके के लोग आपस में और सब मनुष्यों के प्रति प्रेम में बढ़ें और उन्नति करते जाएँ।

1 थिस्सलुनीकियों 3:13

पौलुस चाहता है कि थिस्सलुनीके के लोग किस घटना के लिए तैयार रहें और अपने मनों को पवित्रता में निर्दोष रखें?

पौलुस चाहता है कि थिस्सलुनीके के लोग प्रभु यीशु के अपने सब पवित्र लोगों के साथ आने के लिए तैयार रहें।

1 थिस्सलुनीकियों 4:1–2

पौलुस थिस्सलुनीके के लोगों से क्या चाहता था कि वे उन निर्देशों का पालन करें जो उसने उन्हें दिए थे कि उन्हें कैसे चलना चाहिए और परमेश्वर को प्रसन्न करना चाहिए?

पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीके के लोग परमेश्वर को प्रसन्न करते रहें, और जैसे वे चलते हैं, वैसे ही और भी बढ़ते जाए।

1 थिस्सलुनीकियों 4:3

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों के लिए परमेश्वर की इच्छा क्या बताई?

पौलुस ने कहा कि थिस्सलुनीकियों के लिए परमेश्वर की इच्छा थी कि वे पवित्र बनें।

1 थिस्सलुनीकियों 4:4

लोगों को क्या सीखने की ज़रूरत है?

लोगों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण सीखने की ज़रूरत है ।

1 थिस्सलुनीकियों 4:6

अगर कोई भाई व्यभिचार का पाप करे, तो उसका क्या होगा?

प्रभु उस भाई से पलटा लेगें जिसने व्यभिचार के मामले में पाप किया है।

1 थिस्सलुनीकियों 4:8

जो व्यक्ति पवित्रता के लिए बुलाए जाने को तुच्छ जानता है, वह किसे तुच्छ जानता है?

जो व्यक्ति पवित्रता के लिए बुलाए जाने को तुच्छ जानता है, वह परमेश्वर को तुच्छ जानता है।

1 थिस्सलुनीकियों 4:9–10

थिस्सलुनीकियों के लोग ऐसा क्या कर रहे थे जो पौलुस उनसे और भी अधिक करवाना चाहता था?

पौलुस चाहता था कि थिस्सलुनीकियों के लोग आपस में प्रेम में और भी बढ़ते जाए।

1 थिस्सलुनीकियों 4:11–12

थिस्सलुनीकियों को क्या करना था ताकि वे बाहरवालों के साथ सभ्यता से बर्ताव करें और उन्हें किसी वस्तु की घटी न हो?

थिस्सलुनीकियों को चुपचाप रहना और अपना-अपना काम-काज करना, और अपने-अपने हाथों से कमाने का प्रयत्न करना चाहिए था।

1 थिस्सलुनीकियों 4:13

थिस्सलुनीकियों को किस विषय पर संभवतः गलतफहमी थी?

थिस्सलुनीकियों को संभवतः इस बात की गलतफहमी थी कि जो लोग सो गए थे उनके साथ क्या हुआ।

1 थिस्सलुनीकियों 4:14

परमेश्वर उन लोगों के लिये क्या करेंगे जो यीशु में सो गए हैं?

परमेश्वर उन्हें जो मसीह में सो गए हैं, यीशु के साथ ले आएँगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16

प्रभु स्वर्ग से कैसे उतरेंगे?

प्रभु स्वर्ग से ललकार और परमेश्वर की तुरही के साथ उतरेंगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:16–17

पहले कौन जी उठेंगे, और फिर उनके साथ कौन जी उठेंगे?

मसीह में मरे हुए पहले जी उठेंगे, फिर जो जीवित हैं वे उनके साथ बादलों पर उठा लिए जाएँगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:17

जीवित लोग किससे और कितने समय तक मिलेंगे?

जो बादलों पर उठा लिए जाएँगे वे हवा में प्रभु से मिलेंगे, और वे सदा प्रभु के साथ रहेंगे।

1 थिस्सलुनीकियों 4:18

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों के लोगों को सोए हुए लोगों के विषय में उसकी बातों से क्या करने को कहा?

पौलुस ने थिस्सलुनीकियों के लोगों से कहा कि वे उसकी बातों से एक दूसरे को शान्ति दिया करें।

1 थिस्सलुनीकियों 5:2

पौलुस कहता है कि प्रभु का दिन कैसे आएगा?

पौलुस कहता है कि प्रभु का दिन रात को चोर की तरह आएगा।

1 थिस्सलुनीकियों 5:3

जब एकाएक विनाश उन पर आ पड़ेगा तब कुछ लोग क्या कहते होंगे?

कुछ लोग कहते होंगे, "कुशल है, और कुछ भय नहीं"।

1 थिस्सलुनीकियों 5:4–5

पौलुस क्यों कहता है कि प्रभु का दिन विश्वासियों पर चोर के समान न आ पड़े?

क्योंकि विश्वासी अंधकार में नहीं हैं, परन्तु ज्योति की सन्तान हैं, इसलिए प्रभु का दिन उन पर चोर के समान न आ पड़े।

1 थिस्सलुनीकियों 5:6

पौलुस विश्वासियों को प्रभु के आने वाले दिन के विषय में क्या करने को कहता है?

पौलुस विश्वासियों से कहता है कि वे जागते और सावधान रहें।

1 थिस्सलुनीकियों 5:9

परमेश्वर ने विश्वासियों को किस लिये ठहराया है?

परमेश्वर ने विश्वासियों को प्रभु यीशु मसीह के द्वारा उद्धार प्राप्त करने के लिये ठहराया है।

1 थिस्सलुनीकियों 5:12–13

पौलुस के अनुसार विश्वासियों को उनके प्रति कैसा रवैया रखना चाहिए जो प्रभु में उनके अगुवे हैं?

पौलुस कहते हैं कि उन्हें उन अगुवों को मानना चाहिए और प्रेम के साथ उनको बहुत ही आदर के योग्य समझना चाहिए।

1 थिस्सलुनीकियों 5:15

पौलुस क्या कहते हैं कि जब किसी के साथ बुराई करी जाती है तो उसे क्या नहीं करना चाहिए?

पौलुस कहते हैं कि जब किसी के साथ बुराई करी जाती है तो उसे बदले में बुराई नहीं करनी चाहिए।

1 थिस्सलुनीकियों 5:18

पौलुस क्या कहता है कि विश्वासियों को हर बात में क्या करना चाहिए, और क्यों?

पौलुस कहता है कि विश्वासियों को हर बात में धन्यवाद देना चाहिए, क्योंकि उनके लिये परमेश्वर की यही इच्छा है।

1 थिस्सलुनीकियों 5:20–21

पौलुस भविष्यद्वाणियों के बारे में विश्वासियों को क्या निर्देश देते हैं?

पौलुस विश्वासियों को निर्देश देते हैं कि वे भविष्यद्वाणियों को तुच्छ न जानें, और सब बातों को परखें, जो अच्छी है उसे पकड़े रहें।

1 थिस्सलुनीकियों 5:23

पौलुस ने प्रार्थना की कि परमेश्वर विश्वासियों के लिए क्या करेंगे?

पौलुस ने प्रार्थना की कि परमेश्वर विश्वासियों को आत्मा, प्राण और देह में पूरी रीति से पवित्र करें।

1 थिस्सलुनीकियों 5:28

पौलुस किस बात की प्रार्थना करता है कि वह विश्वासियों पर होता रहे?

पौलुस प्रार्थना करता है कि प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह विश्वासियों पर होता रहे।